पशुपालन वार्ता :-

पशुपालन वार्ता एक हिन्दी मासिक पत्रिका है। जिसका उद्देश्य पशुपालन से जुड़े किसानों को जागरूक और प्रशिक्षित करना है। नेचुरल रेमेडीज़ प्रा.लि. द्वारा इस क्षेत्र में हिन्दी पत्रिका के माध्यम से किसानों, छोटे - छोटे गाँवों एवं कस्बों तक महत्वपूर्ण और उपयोगी जानकारी पहुंचाने का छोटा सा प्रयास किया जा रहा है। जिससे हम हमारे किसान भाईयों को देश- विदेश में हो रही पल - पल की खबरों से अवगत करा सकें तथा तकनीकी क्षेत्र में दिन - प्रतिदिन हो रहे परिवर्तनों की सूचना उन तक पहुंचा सकें ताकि वे इन तकनीकों को अपनाकर अपने भविष्य को सुरक्षित करें।

पशुपालन वार्ता क्यों पढ़े ?

- पशुपालन वार्ता, पशुपालन से संबंधित किसानों को लक्षित करके निकाली गई है - जिसके अंतर्गत पशुपालन के विभिन्न क्षेत्र जैसे -
- गाय और भैंस पालन
- भेड़ व बकरी पालन आदि से संबंधित अनिगनत क्षेत्रों को शामिल किया गया है।
- किसानों के लिए पशुपालन में सहायक कृषि से संबंधित एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही नई - नई योजनाओं की जानकारी शामिल की जाती है।
- पशुपालन वार्ता में जो जानकारी प्रस्तुत की जाती है, वह बहुत ही सरल भाषा में पाठकों तक पहुंचाई जाती है।
- इसमें पशुचिकित्सक एवं पशुचिकित्सक छात्र-छात्राओं द्वारा लेख प्रस्तुत किए जाते हैं।
- पशुपालन वार्ता उचित मूल्य में पाया जाने वाला सही सौदा है।

पशुपालन वार्ता के नियमित लेख -

- पशुपालन वार्ता ८पेजों वाली पत्रिका हैं, जिसके प्रथम और अंतिम पेज रंगीन है।
- पशुओं की विभिन्न बीमारियों से संबंधित लेख शामिल किए जाते हैं।
- पशुओं की विभिन्न नस्लों की जानकारी दी जाती है।
- हर महीने पशुओं के लिए आवश्यक जानकारी (टिप्स) प्रस्तुत की जाती है।
- पशुओं के लिए खाद्य (भोजन) से संबंधित लेख।
- पशुचिकित्सक द्वारा किसी क्षेत्र में किए गए अनुभव को प्रस्तुत करना।
- सफल किसानों की कहानी प्रस्तुत की जाती है।
- नई - नई तकनीकियों द्वारा पशुविज्ञान क्षेत्र में हो रहे अविष्कारों का वर्णन करना।

- देश-विदेश के समाचार आदि प्रकाशित किए जाते हैं।

कैसे योगदान करें ?

पशुपालन वार्ता में प्रकाशन हेतु हिन्दी लेख आमंत्रित है। नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यान में रखते हुए आप हमें लेख भेज सकते हैं -

- सॉफ्ट कॉपी ही स्वीकार की जाऐगी।
- लेख कम से कम १००० शब्द या उससे अधिक शब्दों में ही स्वीकार किए जाऐंगे।
- हिन्दी लेख कृति फॉट में ही हो या अगर किसी ओर फॉट का उपयोग किया गया हो, तो फॉट लेख के साथ अटेच करके जरूर भेजें।
- लेख की ओरिजनल कॉपी स्केन करके या हमें कोरियर करें।
- अनिवार्य होने पर, लेख से संबंधित फोटो जरूर भेजें।
- हर महीने की १ से १५ तारिक तक हिन्दी लेख आप हमें संपादकीय आफिस में भेज सकते हैं। सभी लेख संपादकीय मंडल की सहमती से ही प्रकाशित किए जाएंगे।

पशुपालन वार्ता के सदस्य -

संपादक - डॉ. ऋतुराज पाटील
उप संपादक - निधि उपाध्याय
संपादकीय मंड़ल - डॉ. आर.के.बघेरबाल
डॉ. राजेश कुमार जानी
डॉ. चंद्रेश कुमार मुरडिया
डॉ. ज्योति पलोड़
सजावट एवं वितरण - संध्या बी. एस
प्रकाशक - श्री.आर.के.अग्रवाल
नेचुरल रेमेडीज़ प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलोर

संपादकीय विभाग पता -

नेचुरल रेमेडीज़ प्राइवेट लिमिटेड
5 बी, वीरासन्द्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, इलेक्ट्रानिक सिटी पोस्ट
बेंगलोर 560100 कर्नाटक , भारत फोन 080 40209873
ई - मेल - nidhi@naturalremedy.com, pashupalan

varta@naturalremedy.com